MINISTRY OF
EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

निष्ठा

नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट

विषय सूची

1. परिचय 1
2. उद्देश्य 2
3. मुख्य अंश 4
4. निष्ठा के स्तर 5
5. निष्ठा फेस टू फेस (ऑफ़लाइन गतिविधि) 6
6. निष्ठा कार्यक्रम ऑनलाइन विस्तार 7
7. निष्ठा प्रारंभिक शिक्षा (1.0) 9
8. निष्ठा माध्यमिक (2.0) 11
9. निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (3.0) 13
10. निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (4.0) 15
11. राष्ट्रीय संसाधन समूह प्रशिक्षण की रूपरेखा 17
12. नामांकन प्रक्रिया 20
13. मूल्यांकन चरण और समापन प्रमाण पत्र 21

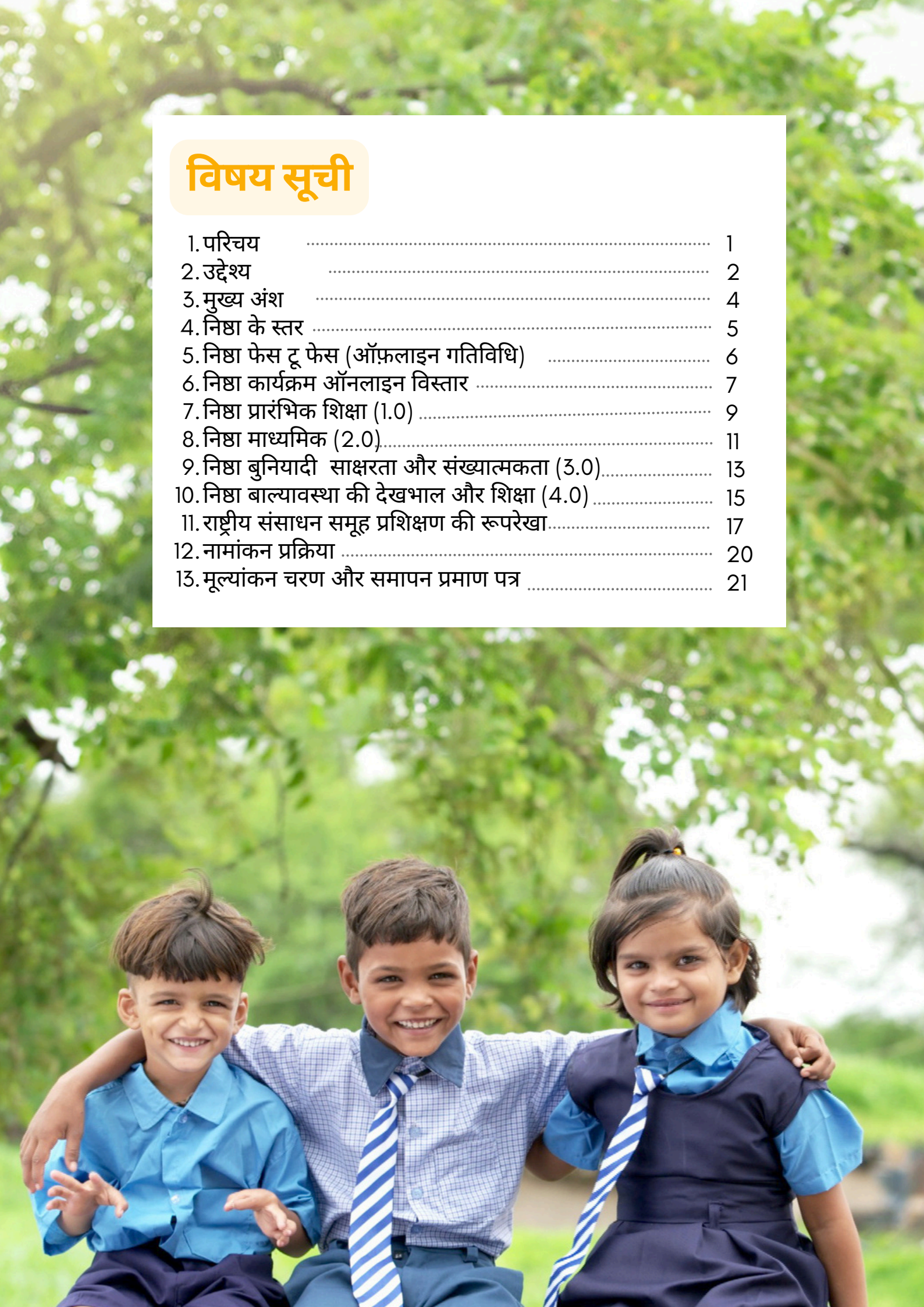

परिचय

निष्ठा भारत सरकार का एक कार्यक्रम है जो शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित है। यह शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास प्रदान करता है, जिसमें आधुनिक शिक्षण विधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इसका उद्देश्य छात्रों की शिक्षा में सुधार के लिये शिक्षकों को आवश्यक कौशल प्रदान करना हैं ।

निष्ठा कार्यक्रम निरंतर प्रशिक्षण द्वारा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 50 घंटे के क्षमता निर्माण कार्यक्रम को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। जो शिक्षकों को विषय – वस्तु और शिक्षण पदत्ति पर अपडेट करेगा, साथ ही नई प्राथमिकताओं और पहलों (इनिशिएटिव) के बारे मै उनके बीच जागरूकता पेदा करेगा।

उद्देश्य

1. देश भर में स्कूल स्तर पर शिक्षकों और स्कूल प्रधानचार्यों का निरंतर व्यावसायिक विकास ।
2. छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में शिक्षकों की सहायता के लिए उच्च गुणवत्ता शिक्षण व् शिक्षण सामग्री प्रदान करना।
3. शिक्षकों को समुचित ज्ञान एवं कौशल से इकुप्ड करना ताकि विद्यार्थी केंद्रित दृश्टिकोण के अनुसार संसाधनों को विकसित और वितरित किया जा सके।

तरबूज
सतरा
ALPHA BETS

मुख्य हाइलाइट

सभी शिक्षकों और प्रधानचार्यों को प्रथम स्तर के सलाहकार के रूप में प्रशिक्षण देना

योग्यता और उच्च स्तरीय सोच/मनन कौशल शिक्षण-अधिगम पर ध्यान केंद्रित करना

केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं सबंधी जागरूकता

अनुभवात्मक और आनंदपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना

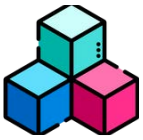

गतिविधि आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल

प्रमुख शैक्षणिक सहायता के रूप में प्रधानाध्याप कों इंटीग्रेटेड प्रशिक्षण देना

ऑनलाइन निगरानी और सहायता प्रणाली

बहु-विभागीय प्रयासों का कन्वर्जेन्स

निष्ठा के स्तर

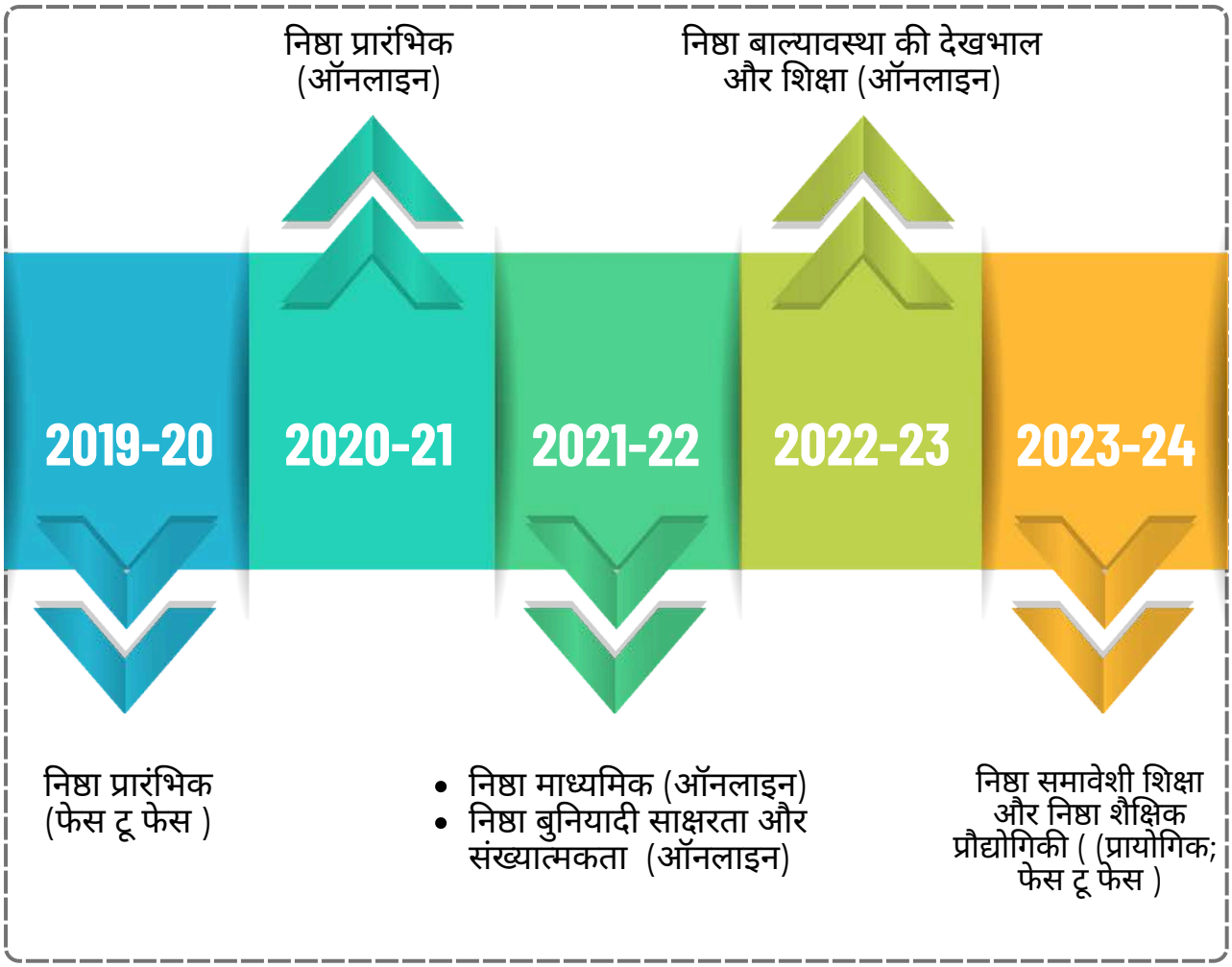

निष्ठा प्रारंभिक **18 पाठ्यक्रम**	**निष्ठा माध्यमिक** **12 पाठ्यक्रम**	**निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता** **12 पाठ्यक्रम**	**निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा** **06 पाठ्यक्रम**
शिक्षा मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत 30 राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र और 7 ऑटोनोमस बॉडीज	शिक्षा मंत्रालय , रक्षा मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत 33 राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र और 8 ऑटोनोमस बॉडीज	शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत 33 राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र और 5 ऑटोनोमस बॉडीज	36 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों ने एनएफई और एई के लिए डीआरयू से पीओ, सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों, डीआईईटी संकाय की शुरुआत की
11 भाषाएँ: असमिया , बंगाली, बोडो, अंग्रेजी, कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, उड़िया, गुजराती, पंजाबी, उर्दू	10 भाषाएँ: हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, गुजराती, पंजाबी, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, मराठी और उड़िया	11 भाषाएँ: हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, गुजराती, पंजाबी, तेलुगु, कन्नड़, उड़िया, बंगाली, मराठी और मिज़ो	2 भाषाएँ: हिंदी, अंग्रेजी

निष्ठा फेस टू फेस

(ऑफ़लाइन गतिविधि)

निष्ठा फेस टू फेस (ऑफ़लाइन गतिविधि) दिनांक 21 अगस्त, 2019 को शुरू किया गया था ।

समग्र शिक्षा के तहत केंद्रीय प्रायोजित योजना को 34 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में लागू किया गया।

फेस टू फेस प्रशिक्षण संबंधी टारगेट ऑडियंस

1. राष्ट्रीय संसाधन समूह, प्रशिक्षण मुख्य संसाधन विशेषज्ञ एवं राज्य संसाधन विशेषज्ञ।
2. ब्लॉक स्तर पर प्रमुख रिसोर्स पर्सन और स्टेट रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षित शिक्षक।
3. 23 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में जिला-स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण शुरू किया गया।

चुनौतियां

- भारत में विविधताओं (भाषाई बाधा, स्थान, संस्कृति, आदि) के कारण विस्तार और व्यापक पहुँच में रूकावट हो गई।
- कोविड - 19 महामारी के कारण स्कूल बंद हो गए और व्यक्तिगत प्रशिक्षण सीमित हो गया ।

समाधान

व्यापक पहुंच के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की योजना बनाई गई।

निष्ठा ऑनलाइन

आंध्र प्रदेश एक प्रायोगिक राज्य के रूप में

16 जुलाई, 2020 को 1200 प्रमुख रिसोर्स पर्सन के लिए पहला ऑनलाइन निष्ठा कार्यक्रम शुरू किया गया।

निष्ठा पोर्टल (एक ऑनलाइन मंच) के माध्यम से संचालित किया गया।

निष्ठा कार्यक्रम का राष्ट्रीय शुभारंभ

निष्ठा ने व्यापक पहुंच के लिए दीक्षा पोर्टल- "वन नेशन वन प्लेटफॉर्म" पर ऑनलाइन मोड को अपनाया।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिनांक 1 सितंबर, 2020 को शुरू किया गया था ।

निष्ठा प्रारंभिक	निष्ठा माध्यमिक	निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता	निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा
लक्ष्य: कक्षा 1 से 8 तक प्रशिक्षित शिक्षक और स्कूल प्रमुख **प्रशिक्षित प्रतिभागी (फेस टू फेस):** 17,73,312 निष्ठा प्रारंभिक (ऑनलाइन) **प्रमाणन:** 22,64,564	**लक्ष्य:** कक्षा 9 से 12 तक प्रशिक्षित शिक्षक और स्कूल प्रमुख **प्रशिक्षित प्रतिभागी:** निष्ठा माध्यमिक **प्रमाणन:** 7,64,278	**लक्ष्य:** बुनियादी, प्री-प्रिपरेटरी, प्री-प्राइमरी से ग्रेड 5 तक प्रशिक्षित शिक्षक और स्कूल प्रमुख **प्रशिक्षित प्रतिभागी:** निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता **प्रमाणन:** 13,38,635	**लक्ष्य:** प्रशिक्षित प्री-प्राइमरी शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता **प्रशिक्षित प्रतिभागी:** निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा **प्रमाणन:** 1,26,435

निष्ठा ऑनलाइन पाठ्यक्रम/कोर्स की विशेषताएँ

1. नए विषय विशिष्ट शिक्षाशास्त्र के अभ्यास सहित शैक्षिक खेल, प्रश्नोत्तरी, परियोजनाएँ ।
2. राइट्स ऑफ़ पर्सन्स विथ डिसैबिलिटीज अधिनियम संबंधी जागरूकता और जेंडर व् चिल्ड्रन विथ स्पेशल नीड जैसे मुद्दों पर चिंतन के माध्यम से समावेशी स्कूलों का निर्माण करना ।
3. प्रशासन से नेतृत्व की ओर बढ़ने और अकादमिक सुधार हेतु स्कूल प्रधानचार्य की सहायता करना।
4. स्कूल प्रधानचार्य और शिक्षकों को प्रथम स्तर के परामर्शदाता के रूप में तैयार करना।
5. रटकर सीखने की प्रक्रिया से योग्यता-आधारित शिक्षा की ओर बढ़ना।
6. आनंदपूर्ण, गतिविधि आधारित, आईसीटी एकीकृत शिक्षण-अधिगम के माध्यम से सीखने के परिणामों में सुधार करना।
7. समग्र शिक्षा की पहल जैसे यूथ क्लब, इको क्लब, पुस्तकालय आदि के बारे में जागरूक करना।

निष्ठा प्रारंभिक 1.0

परिचय

निष्ठा प्रारंभिक कार्यक्रम में शिक्षकों और स्कूल प्रधानचार्यों के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करने वाले 18 पाठ्यक्रम/कोर्स शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों में शिक्षकों के लिए आनंदपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक खेल, संवादात्मकएवं चिंतनशील गतिविधियाँ और प्रश्नोत्तरी शामिल हैं।

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों के अधिगम को बढ़ाना।
2. समावेशी वातावरण बनाना।
3. सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझना ।
4. शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और मूल्यांकन में आईसीटी को एकीकृत करना।
5. स्वस्थ एवं सुरक्षित स्कूल वातावरण का निर्माण करना।
6. सीखने की दक्षताओं पर केंद्रित तनाव-मुक्त स्कूल-आधारित मूल्यांकन विकसित करना।
7. स्कूली शिक्षा में नए प्रयासों की जागरूकता को बढ़ाना।

निष्ठा पारंभिक द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम/कोर्स

1. पाठ्यचर्या और समावेशी कक्षा
2. स्वस्थ विद्यालयी परिवेश निर्मित करने के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक योग्यता विकसित करना
3. विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण
4. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में जेंडर आयामों की प्रासंगिकता
5. शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन में आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का समन्वय
6. कला समेकित शिक्षा
7. विद्यालय आधारित आकलन
8. पर्यावरण अध्ययन का शिक्षाशास्त्र
9. गणित का शिक्षण-शास्त्र
10. सामाजिक विज्ञान का शिक्षण-शास्त्र
11. भाषा शिक्षण-शास्त्र
12. विज्ञान का शिक्षाशास्त्र
13. विद्यालय नेतृत्व-संकल्पना और अनुप्रयोग
14. विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें
15. पूर्व-प्राथमिक शिक्षा
16. मापदंड-पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा
17. कोविड-19 परिदृश्य: विद्यालयी शिक्षा में चुनौतियों का समाधान
18. अधिकारों की समझ, यौन शोषण और पॉक्सो अधिनियम 2012

निष्ठा माध्यमिक 2.0

परिचय

माध्यमिक शिक्षा में सुधार के लिए 12 पाठ्यक्रम/कोर्स, नई शिक्षा नीति के अनुसार सामान्य क्षेत्रों (और 7 सब्जेक्ट स्पेसफिक पेडागोजी (विज्ञान, गणित, आदि) में शिक्षकों का अप्सकिलिंग करने के लिए बनाये गए है।

उद्देश्य

1. बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना।
2. पाठ्यक्रम और समावेशी शिक्षा को मजबूत करना।
3. बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना।
4. कला-एकीकृत शिक्षा की स्थापना।
5. स्कूल-आधारित पहलों का समर्थन करना।
6. सब्जेक्ट स्पेसिफिक पेडागोजी प्रदान करना।
7. शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में आईसीटी एकीकरण को बढ़ावा देना ।

निष्ठा माध्यमिक द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम/कोर्स

1. पाठ्यचर्या और समावेशी कक्षा
2. पठन, पाठन और मूल्यांकन में सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक की भूमिका
3. शिक्षार्थियों के समग्र विकास के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों का विकास
4. कला समेकित शिक्षा
5. माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों को समझना
6. स्वास्थ्य और कल्याण
7. विद्यालयी प्रक्रियाओं में जेंडर समावेशन
8. विद्यालय नेतृत्व : अवधारणा एवं अनुप्रयोग
9. व्यावसायिक शिक्षा
10. विद्यालय आधारित आकलन
11. विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें
12. खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र
13. शिक्षण शास्त्र पाठ्यक्रम: अंग्रेजी/हिंदी/संस्कृत/गणित/सामाजिक विज्ञान/विज्ञान

निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता 3.0

परिचय

निपुण भारत मिशन का लक्ष्य 2026-27 तक सभी बच्चों को साक्षर बनाना और संख्या ज्ञान प्रदान करना है । निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, 2021 में शुरू किया गया। इसमें 12 पाठ्यक्रमों/कोर्स के माध्यम से शिक्षकों को मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के आकर्षक तरीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

उद्देश्य

1. एक लर्निंग सेण्टरेड और रुचिकर कक्षा वातावरण प्रदान करना।
2. कहानी-आधारित, खिलौने-आधारित, कला-आधारित और खेल-आधारित शिक्षण-शास्त्र का उपयोग करना।
3. अनुभव आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना।
4. बहुभाषी कक्षाओं के लिए रिसर्च बेस्ड शिक्षण-शास्त्र प्रदान करना।
5. योग्यता-आधारित शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन पर जोर देना ।

निष्ठा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम/कोर्स

1. बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन का परिचय
2. दक्षता आधारित शिक्षा की ओर बढ़ना
3. बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को समझना : बच्चे कैसे सीखते है?
4. बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान में समुदाय एवं अभिभावकों की सहभागिता
5. 'विद्या प्रवेश' एवं 'बालवाटिका' की समझ
6. बुनियादी भाषा और साक्षरता
7. प्राथमिक कक्षाओं में बहुभाषी शिक्षण
8. सीखने का आकलन
9. बुनियादी संख्यात्मकता
10. बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान हेतु विद्यालय नेतृत्व
11. शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का एकीकरण
12. बुनियादी स्तर के लिए खिलौना आधारित शिक्षण

निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम/कोर्स

1. प्रारंभिक वर्षों का महत्व
2. खेल-आधारित सीखने के परिवेश का नियोजन
3. समग्र विकास के लिए खेल-आधारित गतिविधियाँ
4. अभिभावकों एवं समुदायों के साथ भागीदारी
5. स्कूल के लिए तैयारी
6. जन्म से 3 साल - विशेष आवश्यकताओं के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप

निष्ठा बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा 4.0

परिचय

निष्ठा -'बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा' जुलाई 2022 में शुरू किया गया। इसमें दिए गए 6 पाठ्यक्रम/कोर्स, सीखने की सहज नींव के लिए प्री-स्कूल शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं आदि को प्री-स्कूल गुणवत्ता में सुधार करने के लिए ट्रेंड करता है।

उद्देश्य

1. आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और प्री स्कूल शिक्षकों के मास्टर ट्रेनर्स को ट्रेनिंग देना ।
2. समग्र विकास (शारीरिक-मोटर, भाषा/साक्षरता, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, रचनात्मक) को बढ़ावा देना।
3. मास्टर ट्रेनर्स को बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा चरण के लिए निर्धारित एजुकेशनल प्रैक्टिस से अवगत कराना।
4. स्थानीय संदर्भों में गतिविधियों को बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय संसाधन समूह प्रशिक्षण के साधन

पंजीकरण → ऑनलाइन समूह से जुड़ें → पूर्व सर्वेक्षण

↓

प्रस्तुतियाँ → प्रदर्शन सत्र → व्यावहारिक सत्र

↓

14 कार्यों(असाइनमेंट) को जमा करना → समूह प्रस्तुति

↓

सर्वेक्षण के बाद → प्रतिपुष्टी फ़ार्म

प्रारंभिक चरण

1. एनसीईआरटी मास्टर ट्रेनर्स को ओरिएंट करने के लिए एक नेशनल रिसोर्स ग्रुप का निर्माण करता है।
2. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर की पहचान करके एनसीईआरटी को जानकारी प्रदान करते हैं ।
3. एनसीईआरटी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर के लिए एक ऑनलाइन ग्रुप (टेलीग्राम आदि) का निर्माण करता ।
4. एनसीईआरटी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और अथॉरिटीज के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित करता है ।
5. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र एनसीईआरटी के प्रारूप का उपयोग करके प्रथम स्तर के लाभार्थियों (सीआरसी, बीआरसी, पीओ, सीडीपीओ, पर्यवेक्षक) का डेटा एकत्र करते हैं और इसे एनसीईआरटी को जमा करते हैं।

प्रथम चरण - प्रथम स्तर के लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम/कोर्स

1. राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र के तकनीकी कोऑर्डिनेटर राज्य स्तर पर एक ऑनलाइन ग्रुप (टेलीग्राम आदि) बनाएंगे और सभी प्रथम स्तर के लाभार्थियों को समूह में जोड़ेंगे।
2. प्रथम स्तर के लाभार्थियों के लिए पाठ्यक्रम/कोर्स निम्नलिखित चरणों के अनुसार दीक्षा प्लेटफार्म पर लागू किया जाएगा:
   - पाठ्यक्रम सामग्री एनसीईआरटी द्वारा दीक्षा प्लेटफॉर्म पर अपलोड की जाएगी।
   - पाठ्यक्रम/कोर्स के लिंक ऑनलाइन माध्यम से कोऑर्डिनेटर के साथ साझा किए जाएंगे। कोऑर्डिनेटर प्रथम स्तर के लाभार्थियों के साथ पाठ्यक्रम लिंक साझा करेंगे।
   - राज्य स्तर पर निगरानी और अनुवर्ती प्रणाली राज्यों द्वारा तय की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी प्रथम स्तर के लाभार्थियों द्वारा पाठ्यक्रम पूरा करना प्राथमिकता हो।

प्रशिक्षक चयन की प्रक्रिया (एक उदाहरण)

1. राज्य आवश्यक संख्या में मुख्य प्रशिक्षक यानी प्रति 250 लाभार्थियों के लिये 1 को चुनते हैं, और प्रशिक्षण के लिए एनसीईआरटी को उनका विवरण प्रदान करते हैं।
2. राज्य उन प्रशिक्षक का चयन करते हैं जो निष्ठा - बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (उदाहरण) के लिए सभी 6 पाठ्यक्रम पूरे कर चुके हैं और प्री-स्कूल शिक्षकों/आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सहायता के लिए प्रशिक्षण कौशल से अच्छी तरह ज्ञात हैं।
3. इसके अलावा, एनसीईआरटी मुख्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण करने हेतू 3 दिवसीय प्रशिक्षण भी आयोजित करता है।

इंट्रक्टर ट्रेनिंग की प्रक्रिया (एक उदाहरण)

ऑनलाइन पारस्परिक विचार - विमर्श के लिए, ब्लॉक/जिले में एक केंद्र निश्चित किया जाएगा जहां 50 मुख्य प्रशिक्षक लाइव सत्र में भाग लेंगें।

- ऑनलाइन बातचीत: प्रति केंद्र 50* प्रशिक्षक, 40* केंद्र यानी प्रति सत्र 2000 प्रशिक्षक जुडेंगे
- चरण 1: 6,000* प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करें (3 समूह x 2000 प्रशिक्षक)
- चरण 2: अन्य 6,000* प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करें

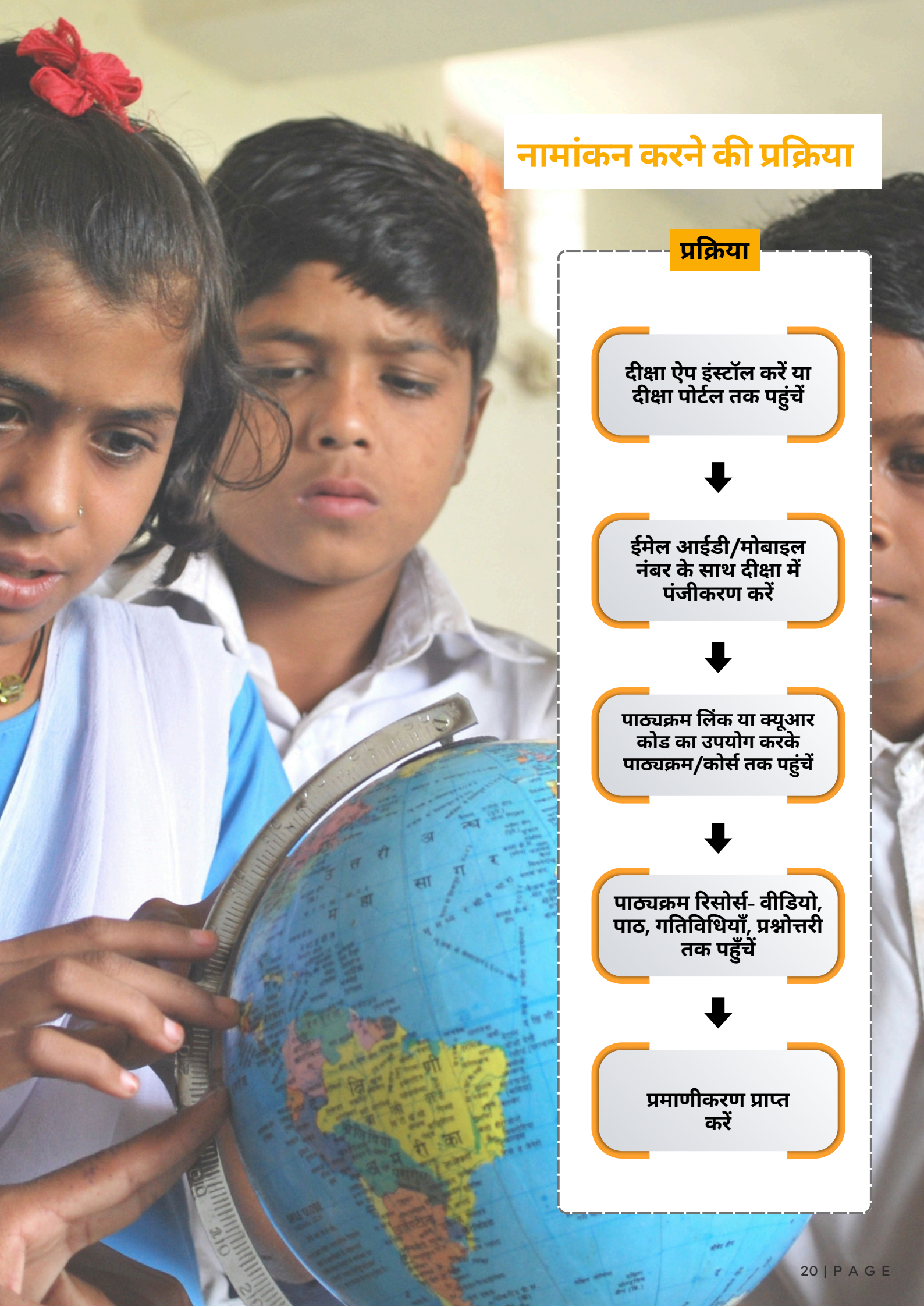

नामांकन करने की प्रक्रिया

प्रक्रिया

दीक्षा ऐप इंस्टॉल करें या दीक्षा पोर्टल तक पहुंचें

⬇

ईमेल आईडी/मोबाइल नंबर के साथ दीक्षा में पंजीकरण करें

⬇

पाठ्यक्रम लिंक या क्यूआर कोड का उपयोग करके पाठ्यक्रम/कोर्स तक पहुंचें

⬇

पाठ्यक्रम रिसोर्स- वीडियो, पाठ, गतिविधियाँ, प्रश्नोत्तरी तक पहुँचें

⬇

प्रमाणीकरण प्राप्त करें

मूल्यांकन चरण

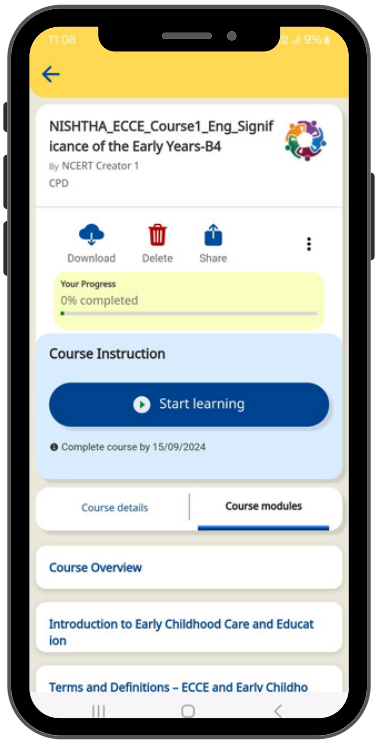

राज्य के संयोजक (कोऑर्डिनेटर) सभी लाभार्थियों द्वारा पाठ्यक्रम/कोर्स पूरा करने की स्थिति की जांच करेंगे। एक बार सभी पाठ्यक्रम/कोर्स पूरे हो जाने के बाद, राज्य के संयोजक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले लाभार्थियों के डेटा को रिपोर्ट के रूप में एनसीईआरटी को प्रस्तुत करेंगे।

समापन प्रमाणपत्र

पाठ्यक्रम/कोर्स के अंत में, शिक्षार्थियों से एक मूल्यांकन प्रश्नोत्तरी में भाग लेने की अपेक्षा की जाती है। अंतिम मूल्यांकन में 70% अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को दीक्षा पोर्टल पर ऑनलाइन ही 'भागीदारी प्रमाणपत्र' प्राप्त होगा। प्रमाणपत्र भरने में 0-15 दिन लग सकते हैं। इसे दीक्षा पोर्टल पर प्रोफाइल पेज से डाउनलोड किया जा सकता है।

शब्द - संक्षेप

एम्o ओo ई o : शिक्षा मंत्रालय
एम्o ओo डीo : रक्षा मंत्रालय
एम्o ओo टीo ए o : जनजातीय कार्य मंत्रालय
एनoसीoईoआरoटीo : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
एनo ईo एसo टीo एसo : राष्ट्रिय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति
एसoसीoईoआरटी : राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
डीo एसo ईo एन्ड एलo : स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
एफoएलoएनo : बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता
ईoसीoसीoईo : बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा
एनo ईo पीo युo एनo/ निपुण : समझ और संख्यात्मकता के साथ पढ़ने में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल
दीक्षा: ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल अवसंरचना
सीoआईoसीoएसoईo : भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद
सीoटीoएसoएo : केंद्रीय तिब्बती स्कूल प्रशासन
सीoबीoएसoईo : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
ईoएमoआरoएसo : एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय
एo ईo ईo एसo : परमाणु ऊर्जा शिक्षा सोसायटी
केo वीoएसo : केंद्रीय विद्यालय संगठन
एनo वीo एसo : नवोदय विद्यालय समिति
एसoपीoडीo : राज्य परियोजना निदेशक
सीoआरoसीo /बीoआरoसीo: क्लस्टर/ब्लॉक संसाधन व्यक्ति
सीoडीoपीoओo : बाल विकास परियोजना अधिकारी
डीoपीoओo : जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
पॉक्सो : बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम
आई सी टी : सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
एफ टी एफ : फेस टू फेस

नन्हा बाघ
हेलो!
चूहे को मिली पेंसिल
मैं तो बिल्ली हूँ!
कहानीः रिनचिन
चित्रः जितेन्द्र ठाकुर
पीऊ और उसके जादूई दोस्त
कहानी एवं चित्र
सोहिल गुप्तो
पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
13

एक दिन हाथी घूमने निकला।
उसने खरगोश का घर देखा। उसे
लगा उसका भी घर होना चाहिए,
जैसा कि खरगोश का है।
हाथी ने खरगोश से कहा, "आज
से मैं यहीं रहूँगा, तुम्हारे घर में।"
"मेरे घर में? लेकिन यह तो बहुत
छोटा है।" चुनमुन चौंक कर बोला।
हाथी ने खरगोश के घर को फिर ध्यान से देखा। एक बार बायीं ओर से,
दूसरी बार दायीं ओर से। उसे बात कुछ समझ में आई।
वह सूंड हिलाता हुआ आगे बढ़ गया।

MINISTRY OF
EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha